International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 05, No. 01(II), January - March, 2023, pp. 91-93

जयपुर शहर के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्ट फोन के उपयोग के सम्बन्ध में अध्ययन

रेखा पंवार*
डॉ. श्रद्धा सिंह चौहान**

सार

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य कक्षा 11 के विद्यार्थियों की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्टफोन के उपयोग के सम्बन्ध में अध्ययन करना है। अध्ययन में जयपुर शहर के निजी विद्यालयों में अध्ययनरत 60 विद्यार्थियों को यादृच्छिक विधि द्वारा न्यादर्श के रूप में चुना गया है। जिनमें से 30 छात्र व 30 छात्रायें ली गई है। स्मार्ट फोन के उपयोग से संबंधित डाटा संग्रहण हेतु ***डॉ. विजय श्री एवं डॉ. अंसारी*** *द्वारा निर्मित* ***"स्मार्टफोन की लत"*** *मापनी का प्रयोग किया गया है तथा सामाजिक क्षमता के मापन हेतु* ***डॉ. लतिका शर्मा*** *एवं* ***पुनीता रानी*** *द्वारा निर्मित मापनी का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में संकलित दत्तों के सांख्यिकीय विश्लेषण के पश्चात् उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों के छात्रों की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्टफोन के उपयो के मध्य सकारात्मक सहसंबंध पाया गया जबकि छात्राओं की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्टफोन के मध्य नकारात्मक सहसंबंध पाया गया।*

शब्दकोशः *सामाजिक क्षमता, स्मार्ट फोन।*

प्रस्तावना

आधुनिक समय में विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में नए–नए अविष्कार हो रहे है। जिससे लोगों की दैनिक जीवन शैली को उन्नत और आधुनिक बनाने में अहम भूमिका निभायी है। ऐसे ही आविष्कारों में से एक है। स्मार्टफोन ने हरेक व्यक्ति के सोचने समझने व काम करने का तरीका ही बदल दिया हैं। सभी आयुवर्ग के लोग इससे प्रभावित हुए है, लेकिन कोरोना काल के दौरान खासकर विद्यार्थी वर्ग इस जादुई उपकरण से अत्यधिक प्रभावित हुआ है। वर्तमान में विद्यार्थी स्मार्टफोन का उपयोग असीमित रूप से कर रहा है। इसके अत्यधिक उपयोग के कारण विद्यार्थी न केवल शारीरिक व मानसिक रूप से बल्कि सामाजिक रूप से भी प्रभावित हो रहे है। स्मार्टफोन के विभिन्न एप्स जैसे व्हाटसएप, स्नैपचैट, इंस्टाग्राम, शेयर चैट आदि के उपयोग के कारण आज विद्यार्थी स्मार्ट फोन की आभासी दुनिया को ही वास्तविक दुनिया समझने लगे है। और इसी कारण से वह न तो दूसरों की भावनाओं के प्रति जागरूक रहता है और न ही स्वयं की भावनाओं के प्रति। वह अपने संवेगो पर भी नियंत्रण रखने में असमर्थ होता है। इन्ही तथ्यो को ध्यान मे रखते हुए शोधार्थी के द्वारा किशोरों की सामाजिक क्षमता का उनके स्मार्टफोन में उपयोग के संबंध में अध्ययन कार्य किया है।

साहित्यावलोकन

रानी, रेखा (2019), ने "स्टडी हैबिट्स, सोशल कॉम्पीटेंश एण्ड जनरल वैल बीइंग इन रिलेशन टू मोबाइल फोन यूजेज अमंग सीनियर सैकण्डरी स्कूल स्टूडेन्टस" का अध्ययन कर यह निष्कर्ष निकाला कि मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग करने वाले विद्यार्थियों की सामाजिक क्षमता निम्न स्तर की पायी गई।

---

* शोधार्थी, शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।
** शोध निर्देशिका एवं सहायक प्रोफेसर, श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय सी.टी.ई., जामडोली, जयपुर, राजस्थान।

रानी, दीक्षित (2017), ने "पर्सनेलिटी, सेल्फ स्टीक एण्ड सोशल आइडेन्टिटी ऑफ मोबाइल फोन यूजर्स" पर शोध कार्य करके निष्कर्ष निकाला कि मोबाइल फोन के कम, औसत एवं अधिक उपयोग करने वाले विद्यार्थियों में आत्म सम्मान, व्यक्तित्व तथा सामाजिक पहचान में भी सार्थक अन्तर पाया गया।

राथर, शबीर, अहमद (2019), ने "इम्पैक्ट ऑफ स्मार्टफोन ऑन यंग जनरेशन" पर शोध कार्य किया। तथा यह निष्कर्ष निकाला कि अधिकांश किशोरों में स्मार्टफोन की लत् पायी गई जिसके कारण उनमें अनेक शारीरिक समस्याओं के साथ–साथ मानसिक समस्यायें जैसे दुश्चिंता, तनाव आदि के भी लक्षण पाये गये।

अध्ययन के उद्देश्य

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्टफोन के उपयोग के संबंध में अध्ययन करना।

परिकल्पनाऐं

उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालय के विद्यार्थियों की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्टफोन के उपयोग के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नही पाया जाता है।

उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालय के छात्रों की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्ट फोन के उपयोग के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नही पाया जाता है।

उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालय की छात्राओं की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्ट फोन के उपयोग के मध्य कोई सार्थक सहसंध नहीं पाया जाता है।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में जयपुर शहर के निजी विद्यालयों के कक्षा 11 के कुल 60 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया है। जिनमें से 30 छात्र व 30 छात्राओं को चुना गया है।

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी द्वारा विद्यार्थियों की **सामाजिक क्षमता** के मापन हेतु **डॉ लतिका शर्मा एवं डॉ. पुनीता रानी** द्वारा निर्मित मापनी का प्रयोग किया गया है तथा स्मार्ट फोन के उपयोग से संबंधित दत्तों के संग्रहण हेतु **डॉ. विजय श्री एवं डॉ. मसूद अंसारी** द्वारा निर्मित **"स्मार्टफोन की लत"** मापनी का प्रयोग किया गया है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकी

मध्यमान तथा सहसम्बन्ध

प्रदत्त विश्लेषण, व्याख्या एवं परिणाम

संपूर्ण न्यादर्श से प्राप्त आंकडों का सारणीयन व्याख्या एवं परिणाम निम्नलिखित हैः–

सारणी 1

उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्टफोन के उपयोग के मध्य कोई सहसंबंध नहीं पाया जाता।

समूह	चर	समूहसंख्या	मध्यमान	सहसंबंध गुणांक
निजी विद्यालयों के विद्यार्थी	सामाजिक क्षमता	60	100.75	
	समार्ट फोन का उपयोग	60	69.43	–0.098

तालिका 1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की सामाजिक क्षमता का मध्यमान 100.75 तथा स्मार्टफोन के उपयोग का मध्यमान 69.43 पया गया तथा सहसंबंध गुणांक –0.098 प्राप्त हुआ है। अतः स्पष्ट है कि निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की सामाजिक क्षमता स्मार्टफोन के मध्य नकारात्मक सहसंबंध है।

तालिका 2

उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों के छात्रों की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्ट फोन के उपयोग के मध्य कोई सहसंबंध नहीं पाया जाता।

समूह	चर	समूहसंख्या	मध्यमान	सहसंबंध गुणांक
निजी विद्यालयों के छात्र	सामाजिक क्षमता	30	99.8	0.076
	समार्ट फोन का उपयोग	30	67.1	

तालिका संख्या – 2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों के छात्रों की सामाजिक क्षमता का मध्यमान 99.8 तथा स्मार्टफोन के उपयोग का मध्यमान 67.1 प्राप्त हुआ तथा सहसंबंध 0.076 प्राप्त हुआ है। अतः स्पष्ट है कि निजी विद्यालयों के छात्रों की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्टफोन के उपयोग के मध्य सकारात्मक सहसंबंध है।

तालिका 3

उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों की छात्राओं की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्ट फोन के उपयोग के मध्य कोई सहसंबंध नहीं पाया जाता।

समूह	चर	समूहसंख्या	मध्यमान	सहसंबंध गुणांक
निजी विद्यालयों के छात्राऐं	सामाजिक क्षमता	30	101.7	–0.09
	समार्ट फोन का उपयोग	30	67.1	

तालिका संख्या – 3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उच्च माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों के छात्राओं की सामाजिक क्षमता का मध्यमान 101.7 तथा स्मार्टफोन के उपयोग का मध्यमान 67.1 प्राप्त हुआ तथा सहसंबंध 0.09 प्राप्त हुआ है। अतः स्पष्ट है कि निजी विद्यालयों के छात्राओं की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्टफोन के उपयोग के मध्य नकारात्मक सहसंबंध है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन में जयपुर शहर के निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्टफोन के उपयोग के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करने के पश्चात् यह निष्कर्ष पाया गया कि निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा छात्राओं की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्टफोन के उपयोग के मध्य सकारात्मक सहसंबंध पाया गया अर्थात् जैसे–जैसे स्मार्टफोन का उपयोग बढता है वैसे–वैसे उनकी सामाजिक क्षमता में कमी होती है जबकि निजी विद्यालय छात्रों की सामाजिक क्षमता तथा स्मार्टफोन के उपयोग के मध्य सकारात्मक सहसंबंध पाया गया। अर्थात् जैसे–जैसे स्मार्टफोन के उपयोग में वृद्धि होती है उनकी सामाजिक क्षमता भी बढती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. रानी, रेखा (2019), ''ए स्टडी हैबिस्ट्स, सोशल कॉम्पीटेंश एण्ड जनरल बैल बीइंग इन रिलेशन टू मोबाइल फोन यूजेज अमंग सीनियर सैकण्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स'' http://hdi.nandle.net./10603/301863.
2. राथर, शब्बीर अहमद, (2019), ''इम्पैक्ट् ऑफ स्मार्टफोन ऑव यंग जनरेशन'' https://www.researchgate.net>3331
3. https://www.investopedia.com>terms
4. https://www.nin.org.healthy tips
5. https://hdl.handle.net/10603/99344

❖◆❖